



हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

धौलाधार परिसर-1, धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 176215
DHAULADHAR CAMPUS-1, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA, HIMACHAL PRADESH –176215
Phone No. 01892-229574; Fax No. 01892-229331; E-mail: registrar.cuhp@gmail.com

प्रेस नोट

दिनांक-22.9.2022

कांगड़ा जिला में पर्यटन कारोबार को लग सकते हैं पंख, करनी होगी पहल

केंद्रीय विवि में पर्यटन विभाग के पांच दिवसीय कार्यक्रमों के शुभारंभ पर बोले कुलपति

कोलंबो विवि के पर्यटन विभाग के डीन ने संकाय सदस्यों- शोधार्थियों को किया आमंत्रित

धर्मशाला। केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के पर्यटन विभाग की ओर से विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर धौलाधार परिसर एक में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 27 सितंबर तक आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का आगाज होम स्टे मालिकों की कार्यशाला के साथ हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी मौजूद रहे। वहीं जम्मू विश्वविद्यालय से प्रो. दीपक राज गुप्ता और मध्य प्रदेश भोज ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पर्यटन अधिष्ठाता डा. आशीष नाग ने मुख्य अतिथि विवि के कुलपति को सम्मानित किया। वहीं परीक्षा नियंत्रक डा. सुमन शर्मा ने जम्मू विश्वविद्यालय से प्रो. दीपक राज गुप्ता को और डा. एस सुंदररमण ने मध्य प्रदेश भोज ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ को सम्मानित किया।

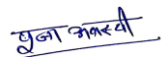
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल ने कहा कि होम स्टे योजना पर्यटकों को स्थानीय लोगों और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर देते हैं। इसलिए जब भी कोई पर्यटक बाहर से आता है तो वह होमस्टेस में रहना अधिक पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि धर्मशाला एक पर्यटन नगरी है और यहां पर पर्यटन व्यवसाय काफी अच्छे से गति कर सकता है लेकिन इसके लिए इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। वहीं इस मौके पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संदीप कुलश्रेष्ठा ने होमस्टेस के मालिकों व अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में कोविड की वजह से राजनीति, अर्थव्यवस्था और बाकी सभी चीजों में काफी बदलाव आया है और पर्यटन विभाग भी इससे अछूता नहीं रहा है। जिससे पर्यटन में काफी बदलाव आया है। इस कार्यशाला में 25 से अधिक होम-स्टे के मालिकों ने भाग लिया और अपने-अपने अनुभव साझा किए। साथ ही होमस्टेस के मालिकों ने पिछले दो-तीन वर्षों में कोविड की वजह से आ रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की तथा वर्तमान समय में इन समस्याओं से निपट कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने को लेकर अपने विचार रखे।

वहीं इस दौरान कोलंबो विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के डीन प्रो. डी.ए.सी सुरंगा डिल्सवा ने आनलाइन इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी को बधाई दी और विवि के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को श्रीलंका आने का न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल से एक-दूसरे देशों के बीच आपसी संस्कृति को जानने और समझने का शोधार्थियों को मौका मिलेगा। इस दौरान कार्यक्रम में अधिष्ठाता अकादमिक प्रो प्रदीप कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुमन शर्मा, ट्रेवल एवम टूरिज्म विभाग के अधिष्ठाता डॉ आशीष नाग, बिजनेस स्कूल के डीन मोहिंद्र सिंह एवं संकाय सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

Dharamshala. A program was launched by the Department of Tourism, Central University of Himachal Pradesh at Dhauladhar Campus I on the occasion of World Tourism Day. The programs to be organized till September 27 began with the Homestay Owners' Workshop. Hon'ble Vice Chancellor of the university, Prof. Sat Prakash Bansal ji was present as the chief guest on this occasion. While from Jammu University, Prof. Deepak Raj Gupta and Sandeep Kulshrestha, Professor of Madhya Pradesh Bhoj Open University was present as the special guest. The program started with lamp lighting. On the occasion of the inauguration of the program, Dean of Tourism department Dr. Ashish Nag honored the Chief Guest, Vice Chancellor of the University. Controller of Examinations Dr. Suman Sharma honored Prof. Deepak Raj Gupta from Jammu University and Dr. S. Sundararaman honored Prof. Sandeep Kulshrestha of Madhya Pradesh Bhoj Open University.

Prof. Sat Prakash Bansal, the chief guest of the program said that the home stay scheme gives an opportunity to the tourists to connect with the local people and the local culture. So whenever a tourist comes from outside, he prefers to stay in homestay. He said that Dharamshala is a tourist city and tourism business can progress very well here, but for this all the people associated with this area should work together. On this occasion, Sandeep Kulshrestha, the special guest of the program, while addressing the homestays owners and other attendees, said that in the last three years politics, economy and everything else has changed a lot due to Covid and tourism department is also not untouched by it. Due to which tourism has changed a lot. More than 25 home-stay owners participated in this workshop and shared their experiences. Along with this, the owners of the homestays also discussed about the problems being faced due to Covid in the last two-three years and gave their views on how to take forward their business by tackling these problems in the present time.

Prof. DAC Suranga Dilswa, Dean of the Department of Tourism, Colombo University congratulated Vice Chancellor of the University Prof. Sat Prakash Bansal ji for organizing this program online and invited the faculty members and students of the university to visit Sri Lanka. He said that this initiative would give an opportunity to the students to know and understand the mutual culture between each other's countries. During this program, Dean Academic Prof. Pardeep Kumar, Controller of Examination Dr. Suman Sharma, Dean of Travel and Tourism Department Dr. Ashish Nag, Dean of Business School Prof. Mohinder Singh, faculty members and students were present.



जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ)
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला